मुझको भी दर्श देदो | By Sonu Khan, Rohit Rusiya & Amjad Khan

मुझको भी दर्श देदो पारस प्रभु जी देवा
बड़ी दूर से हूँ आया करने चरण की सेवा
मुझको भी दर्श .....

मेरी ज़िन्दगी अधूरी तेरा दरश ज़रूरी
कहीं हो ना जाए जीवन कर दो मुराद पूरी
एक तेरा ही सहारा दुनिया तो है छलावा
मुझको भी दर्श .....

सर्वज्ञ हो विधाता क्या मांगू तुमसे भगवन
चरणों में आके तेरे हुआ शांत मेरा मन
दर्शन को तेरे आय।, लाया नहीं चढ़ावा
मुझको भी दर्श .....

चरणों की रज को लेकर माथे पे जो लगाया
चन्दन सा महका तन मन जन्मो का सुख है पाया
कैसे ये सुख मैं पाता, आता ना जो बुलावा
मुझको भी दर्श .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%81%e0%a4%9d%e0%a4%95%e0%a5%8b-%e0%a4%ad%e0%a5%80-%e0%a4%a6%e0%a4%b0%e0%a5%8d%e0%a4%b6-%e0%a4%a6%e0%a5%87%e0%a4%a6%e0%a5%8b-by-sonu-khan-rohit-rusiya-amjad-khan/